

श्रम पुं. (तत्.) 1. तन-मन से बड़ी लगन के साथ किया जाने वाला कोई कार्य 2. परिश्रम, मेहनत, प्रयत्न 3. श्रान्ति जन्य थकावट 4. व्यायाम, कसरत 5. दौड़धूप 6. प्रयास अर्थ. किसी प्रकार के आर्थिक लाभ के लिए मनुष्य के द्वारा किये जाने वाला शारीरिक या मानसिक प्रयत्न, चेष्टा।

श्रमकण पुं. (तत्.) साहि. साहित्य शास्त्र में प्रसिद्ध एक संचारी भाव, शारीरिक श्रम या मेहनत करने से शरीर से निकली पसीने की बूँदे।

श्रमकर वि. (तत्.) जो (कार्य) थकावट या विकलांत करने वाला हो।

श्रम कार्यालय पुं. (तत्.) वह कार्यालय जहाँ श्रमिकों की संख्या व उनकी कार्यस्थिति की व्यवस्थित जानकारी प्राप्त की जा सके।

श्रम कलांत वि. (तत्.) जो श्रमजन्य थकावट से कलांत या पीड़ित हो। मेहनत के कार्य से थका हुआ।

श्रमघंटा पुं. (तत्.) 1. वह सामाजिक व्यवस्था जिसमें प्रति व्यक्ति एक घंटा काम करना आवश्यक हो 2. वह व्यवस्था जिसमें किसी श्रम या कार्य के लिए घंटे नियत हो।

श्रमजल पुं. (तत्.) श्रम के कारण शरीर से निकला पसीना, प्रस्वेद। श्रमसीकर।

श्रमजीवी वि. (तत्.) 1. जो शारीरिक या बौद्धिक परिश्रम करके अपनी जीविका चलाता हो पुं. शारीरिक या बौद्धिक परिश्रम से अपनी जीविका चलाने वाला व्यक्ति।

श्रमजीवी पत्रकार पुं. (तत्.) पत्रकारिता के व्यवसाय से अपनी आजीविका अर्जन करने वाला व्यक्ति।

श्रमठेका पुं. (तत्.) समा. एक प्रकार का महत्वपूर्ण वह अनुबंध जिसके अन्तर्गत कोई कर्मचारी एक निर्धारित वेतन पर अपने नियोजक के निर्देशन में सशर्त, कार्य करना स्वीकार करता है।

श्रमण वि. (तत्.) श्रमशील व्यक्ति, मेहनती पुं. बौद्धा संन्यासी, बौद्ध भिक्षु।

श्रमणा स्त्री. (तत्.) 1. बौद्ध संन्यासिनी 2. बौद्ध भिक्षुणी, मुंडी 3. जटामासी 4. सुंदरी स्त्री, सुदर्शना औषधि 5. मेहनती।

श्रमदान पुं. (तत्.) स्वेच्छापूर्वक सामाजिक कल्याण की दृष्टि से निःशुल्क किया जाने वाला कोई श्रम कार्य।

श्रम न्यायालय पुं. (तत्.) श्रम से संबंधित विवादों का ठीक से निबटारा करने के लिए विधिपूर्वक स्थापित एक न्यायिक संस्था।

श्रम विभाजन पुं. (तत्.) अर्थ. उत्पादन कार्य को अनेक प्रक्रियाओं में व्यवस्थित कर उसे विशिष्ट योग्यता प्राप्त श्रमिकों के द्वारा पूरा कराने का कार्य, किसी वस्तु की निर्माण प्रक्रिया में कुशलता व गतिशीलता लाने हेतु विविध श्रमिकों को पृथक् पृथक् समुचित उत्तरदायित्व सौंपना।

श्रम विवाद पुं. (तत्.) अर्थ. श्रमिकों के वेतन वृद्धि, लाभांश तथा अन्य समस्याओं के संबंध में मालिकों से होने वाला किसी प्रकार का विवाद।

श्रमशिविर पुं. (तत्.) एक प्रकार का वह शिविर जहाँ अपराधियों को दिये गए दंड के अनुरूप परिश्रम करने के लिए सुरक्षित रूप से रखा जाता है।

श्रमांश पुं. (तत्.) किसी प्रकार के उत्पादन में लगा मानव के श्रम का योगदान या अंश, मानवश्रम की मात्रा।

श्रमिक पुं. (तत्.) शारीरिक श्रम करके जीविकोपार्जन करने वाला व्यक्ति, मेहनतकश, मजदूर।

श्रमिक आवर्त पुं. (तत्.) किसी संस्थान के कर्मचारियों में या उनके नियोजन आदि में किये जाने वाले विशेष सामयिक परिवर्तन, कर्मचारियों की कम या अधिक संख्या में उपस्थिति का अपेक्षित बदलाव।

श्रमिक-कल्याण पुं. (तत्.) श्रमिकों का सब प्रकार से हित।